# सोयाबीन पीक सल्ला/सोयाबीन फसल सलाह

1 जुलै ते 15 जुलै / 1 जुलाई से 15 जुलाई

| | |
|---|---|
| 1. | शेतकऱ्यांनी किमान एकुण 75-100 मिमी पाऊस पडला असल्यास किंवा पावसामुळे जमिनीत 5 ते 6 इंचापर्यंत ओल झालेली असल्यास सोयाबीन पिकाची पेरणी करावी. |
| | खेती के क्षेत्र में कम से कम 100-75 मिमी बारिश हुई हो या बारिश की वजह से जमीन में 5 से 6 इंच तक नमी हो तो सोयाबीन की बुवाई करनी चाहिए। |
| 2. | वेगवेगळ्या कलावधीत पक्व होणाऱ्या 2-3 शिफारस केलेल्या वाणांची पेरणीसाठी निवड करावी. |
| | अलग-अलग परिपक्वता अवधि वाले सोयाबीन की 2-3 अनुशंसित किस्मों की बुआई करे। |
| 3. | सोयाबीन बियाण्याच्या उगवण क्षमतेप्रमाणे (किमान 70% उगवण क्षमता) पेरणीसाठी 62-65 किलो/हे बियाणे दर वापरावा. |
| | सोयाबीन बीज की अंकुरण क्षमता (न्यूनतम 70% अंकुरण) के अनुसार बुआई के लिए 62-65 किलो/हे बीज मात्रा का प्रयोग करें। |
| 4. | पीक उभे असताना व त्याच्या वाढीच्या काळात अतिवृष्टी तसेच पाण्याचा ताण किंवा पावसाचा खंड पडल्यास पीक वाचविण्यासाठी रुंद सरी वरंबा (BBF) किंवा सरी-वरंबा पद्धतीने सोयाबीनची पेरणी करावी. |
| | फसल की विकसन आवस्था में अत्यधिक वर्षा और सूखे की स्थिति में फसल को बचाने के लिए ब्रॉड बेड फ़रो (बीबीएफ) या बुवाई के रिज और फ़रो पद्धति का उपयोग करके फसल बोए। |
| 5. | **बुरशीनाशक व कीटकनाशकाची बीज प्रक्रिया:** पेरणी करताना, बियाण्यास प्रथम शिफारस केलेल्या पूर्व मिश्रित बुरशीनाशकाची प्रक्रिया करावी, जसे की अझोक्सीस्ट्रोबिन 2.5% + थायोफेनेट मिथाइल 11.25% + थायमेथॉक्सम 25% एफएस @ 10 मिली प्रती किलो बियाणे किंवा पेनफ्लुफेन + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन (1 मिली प्रती किलो बियाणे) किंवा थायरम 3 ग्रॅम प्रती किलो बियाणे किंवा थायरम + कार्बेन्डाझिम (2:1) @ 3 ग्रॅम प्रती किलो बियाण्यास किंवा कार्बोक्ज़िन 37.5 % + थायरम 37.5% (व्हिटावैक्स पॉवर) 3 ग्रॅमची प्रति किलो बियाण्यास प्रक्रिया करावी. ते थोडा वेळ हवेत सुकू द्यावे आणि नंतर कीटकनाशक जसे की थायामेथोक्सॅम 30 एफएस (10 मिली/किलो बियाणे) किंवा इमिडाक्लोप्रिड 48 एफएस (1.25 मिली/किलो बियाणे) ची प्रक्रिया करावी. या शिवाय बियाण्यास ट्रायकोडर्मा व्हिरिडीची सुद्धा 8-10 ग्रॅम प्रति किलो बियाण्यास प्रक्रिया करावी. |
| | **फुफुंदनाशक और कीटनाशक से बीज प्रसंस्करण:** बुवाई के दौरान, बीज को पहले अनुशंसित पहले से किए गए कवकनाशी जैसे एज़ोक्सिस्ट्रोबिन 2.5% + थियोफेनेट मिथाइल 11.25% + थियामेथोक्सम 25% एफएस @ 10 मिली/किलोग्राम बीज या पेनफ्लुफेन + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन (1 मिली/किलो बीज) या कार्बोक्ज़िन 37.5 % + थायरम 37.5% (व्हिटावैक्स पॉवर) 3 ग्रॅम/ प्रति किलोग्राम बीज या थायरम + कार्बेन्डाजिम (2:1) @ 3 ग्राम/किलोग्राम बीज या । इसे कुछ समय के लिए सूखने दें और फिर कीटनाशक जैस- थियामेथोक्सम 30 एफएस (10 मिली/किलोग्राम बीज) या इमिडाक्लोप्रिड 48 एफएस (1.25 मिली/किलोग्राम बीज) से उपचारित करें। इसी के अलावा बीज को ट्रायकोडर्मा व्हिरिडी की भी 8-10 ग्रॅम प्रति किलो की दर से प्रक्रिया करे। |

| | |
|---|---|
| 6. | **बियाण्यास जैविक खतांची बीज प्रक्रिया:** बुरशीनाशक आणि कीटक नाशकाची प्रक्रिया केल्या नंतर बियाण्यास ब्रॅडीरायझोबियम जापोनिकम आणि स्फुरद विरघळविणारे जिवाणू यांची 250 ग्रॅम/ 10 किलो बियाण्यास पेरणीपूर्वी बीज प्रक्रिया करावी. त्यासाठी वरील जिवाणू खते 1 लीटर पाण्यात मिसळून त्याचे गाढ द्रावण तयार करावे, एक हेक्टरसाठी लागणाऱ्या 65 ते 70 किलो बियाण्यास हे हलक्या हाताने चोळून लावावे किंवा हे द्रवरूपात असतील तर 100 मिलि प्रती 10 किलो बियाण्यास लावावे. थोडा वेळ सावलीत सुकल्यानंतर ताबडतोब पेरणी करावी. |
| | **जैविक खाद से बीज प्रसंस्करण:** बुवाई के दौरान, यह सलाह दी जाती है कि बीज को ब्रैडीहिज़ोबियम जैपोनिकम और पीएसएम संवर्धों के साथ 250 ग्राम/10 किग्रा बीज की दर से बुवाई से ठीक पहले किया जाना चाहीए। ईसीलिए जिवाणू खाद 1 लीटर पाणी में घुला के गाढा द्रावण बनाए, और एक हैक्टर को लगनेवाले 65-70 किलो बीज को हलके हात से लगाए यदि यह द्रवरूप में हो तो यह 100 मिलि प्रती 10 किलो बीज को लगाए, और थोडी देर छाव में सुखाकर तुरंत बुवाई करे। |
| 7. | **खते व अन्नद्रव्ये व्यवस्थापन:** सोयाबीनच्या पिकास पेरणीच्या वेळी प्रति एकरसाठी 8 किलो नत्र, 24-32 किलो स्फुरद आणि 8 किलो पालाश (20 किलो नत्र, 60 ते 80 किलो स्फुरद, 20 किलो पालाश प्रति हेक्टरी) यांची शिफारस केलेली मात्रा, DAP 45 किलो, SSP 70 किलो व MOP 16 किलो यांच्याद्वारे द्यावी. त्याचप्रमाणे प्रतिएकरसाठी 10 किलो झिंक सल्फेट आणि 4 किलो बोरॅक्स आणि 12 किलो गंधक पेरणीच्या वेळी द्यावे. पेरणीच्या वेळी खते बियाण्याच्या खालीच पडतील व त्यांचा बियाण्याशी संपर्क येणार नाही याची काळजी घ्यावी. या पिकास नत्र, स्फुरद, पालाश, मॅग्नेशियम, गंधक, कॅल्शियम, मॉलिब्डेनम, बोरॉन, लोह, जस्त व मँगेनीज ही अन्नद्रव्ये वाढीसाठी, फूल धारणेसाठी व शेंगात दाणे भरण्यासाठी आवश्यक असतात. पीक शेंगा भरण्याच्या अवस्थेत असताना विद्राव्य खते पाण्यासोबत पानांवर फवारून पिकास द्यावीत, त्यासाठी बाजारात अनेक विद्राव्य खते उपलब्ध आहेत (19:19:19 व 00:52:34 इ.) त्यांचा शिफारशीप्रमाणे वापर करावा. |
| | **खाद एवं अन्नद्रव्य प्रबंधन:** सोयाबीन फसल की बुवाई के समय अनुशंसित पोषण 8 किग्रा N, 24-32 किग्रा P और 8 किग्रा K प्रति एकर (20 किग्रा N, 60 से 80 किग्रा P, 20 किग्रा K प्रति हेक्टेयर), डीएपी 45 किग्रा, एसएसपी 70 किग्रा और एमओपी 16 किग्रा द्वारा प्रति एकड दिया जाना चाहिए। इसी तरह 10 किलो जिंक सल्फेट और 4 किलो बोरेक्स और 12 किलो सल्फर प्रति एकड़ बुवाई के समय देना चाहिए। बुवाई के समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि खाद बीज के नीचे ही रहे/गिरे और बीज के संपर्क में न आए। नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, मैग्नीशियम, सल्फर, कैल्शियम, मोलिब्डेनम, बोरॉन, आयरन, जिंक और मैंगनीज विकास, फूल प्रतिधारण और फली भरने के लिए आवश्यक पोषक तत्व हैं। जब फसल पूरी तरह खिल जाए तो घुलनशील उर्वरकों को पानी के साथ पत्तियों पर छिड़कें। बाजार में कई घुलनशील उर्वरक उपलब्ध हैं (19:19:19 और 00:52:34 आदि) उनकी अंनुसंशीत मात्रा का छिडकाव के लिए उपयोग करे। |
| | |

8. **प्रति हेक्टर बियाणे दर आणि पेरणीचे अंतर:** पेरणी पाभरीने दोन ओळींत 45 सेंमी व दोन झाडांमध्ये 5-7 सेंमी अंतर राहील अशा प्रकारे करावी. बियाणे 2.5 ते 3 सेंमी खोलीपर्यंतच पेरावे. हेक्टरी झाडांची संख्या 4.50 ते 4.70 लाख असावी, त्यासाठी 65 ते 70 किलो प्रति हेक्टर बियाणे दर वापरावा. टोकण पद्धतीने पेरणी करावयाची असल्यास 35 ते 40 किलो बियाणे प्रति हेक्टर प्रमाणे बियाणे दर वापरावा व पेरणी सरी-वरंब्यावर दोन्ही बाजूंवर 10 सेंमी अंतरावर करावी.

**प्रति हैक्टर बीज दर और बुवाई की दूरी:** बुवाई दो पंक्तियों के बीच 45 सेमी और दो पौधों के बीच 5-7 सेमी की दूरी के साथ की जानी चाहिए। बीजों को 2.5 से 3 सेमी की गहराई तक बोयें। पौधों की संख्या प्रति हेक्टेयर 4.50 से 4.70 लाख होनी चाहिए, जिसके लिए 65 से 70 किलोग्राम बीज मात्रा प्रति हैक्टर का प्रयोग करना चाहिए। टोंकण पद्धती बिजाई के मामले में 35 से 40 किलो बीज प्रति हैक्टर की मात्रा से बुवाई करनी चाहिए और सरी के दोनों ओर 10 सेमी की दूरी पर बुवाई करनी चाहिए।

9. **रासायनिक तणनाशकाचा वापर-** तणनाशके वापरून वेळीच तणांचा बंदोबस्त करता येतो. सोयाबीनमधील तण नियंत्रणासाठी पेरणीनंतर लगेच (बी उगवण्यापूर्वी) वापरवायचे तणनाशक वापरुन तण नियंत्रणासाठी उपाययोजना करावी:

| अ.नं. | तण नाशकाचे सामान्य नाव | व्यापारी नाव | मात्रा (प्रती हे.) | फवारणी |
|---|---|---|---|---|
| 1. | पेंडिमेथिलीन 30 ईसी | स्टॉम्प | 3.3 ली. | यांपैकी एका तण नाशकाची एक हेक्टरची दिलेली मात्रा 500 ते 700 ली./हे पाण्यामध्ये मिसळून पेरणीनंतर ताबडतोब परंतू 48 तासांच्या आत हुड लावलेल्या फवारणी पंपाने जमिनीवर फवारावी. |
| 2. | डिक्लोसुलाम 84 % डब्ल्यूडीजी | स्ट्रॉगार्म | 32 ग्रॅम | |

**रासायनिक खरपतवारनाशक का उपयोग-** खरपतवारनाशक के उपयोग से समय पर खरपतवारों का प्रबंधन किया जा सकता है। सोयाबीन में खरपतवार नियंत्रण के लिए बुवाई के तुरंत बाद (बीज के अंकुरण से पहले) खरपतवार नियंत्रण के उपाय करने चाहिए।

| क्र.सं. | खरपतवारनाशक का सामान्य नाम | व्यापारी नाम | मात्रा (प्रती हे.) | छिडकाव गतीविधी |
|---|---|---|---|---|
| 1. | पेंडिमेथिलीन 30 ईसी | स्टॉम्प | 3.3 ली. | इनमे से एक खरपतवार नाशक की एक हेक्टेयर की मात्रा बुवाई के तुरंत बाद पानी के साथ 500 से 700 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से हुड लगाए हूए स्प्रे पंप से 48 घंटे के भीतर जमीन पर छीडकनी चाहिए। |
| 2. | डिक्लोसुलाम 84 % डब्ल्यूडीजी | स्ट्रॉगार्म | 32 ग्रा | |

**संपर्क:**

श्री एस ए जायभाय
(सोयाबीन कृषीविद्यावेत्ता व वैज्ञानिक ड)
मो. 7588559910

डॉ सुरेशा पी जी
(सोयाबीन पैदासकार व वैज्ञानिक ब)
मो. 99014 31990